जैनीन बेकी

अधिकतम संभव यीशु के दर्शन कराना

जैनीन बैकी *एक पेशेवर सॉकर खिलाड़ी हैं जो कनाडा की महिला राष्ट्रीय टीम के लिए खेलती हैं। जैनीन के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है और उनका जन्म अमेरिका के कोलोरैडो में हुआ था पर वे अब कनाडा में रहती हैं। वे 2016 रियो डि जेनेरो ओलिम्पिक्स में कांस्य पदक जीतने वाली कनाडाई टीम का हिस्सा थीं, जहां उन्होंने तीन गोल किए थे और एक को छोड़ बाकी सभी गेम्स की शुरुआत की थी।*

AP फोटोज़/क्रिस कार्लसन, एंडी जैकबसन

पसंदीदा आयत

“[ले]किन वे जो ईश्वर में आशा रखते हैं उनकी शक्ति का नवीकरण होगा। जैसे किसी गरुड़ के फिर से पंख उग आते हैं; ये लोग बिना विश्राम चाहे निरंतर दौड़ते रहते हैं, ये लोग बिना थके चलते रहते हैं।” – यशायाह 40:31

मैंने 2015 विश्व कप जाने वाली टीम में चुने जाने के लिए बहुत कुछ बलिदान कर दिया था। मैंने उस साल की शुरुआत में मेरा देश, मेरा परिवार, मेरे दोस्त और मेरा स्कूल छोड़ दिया था। मैंने प्रतिस्पर्धा की तैयारी और प्रशिक्षण में अनगिनत घंटे बिताए थे, पर विश्व कप से पहले की अंतिम छंटाई में मुझे और एक अन्य लड़की को टीम से निकाल दिया गया। मैं जिस टीम के साथ प्रशिक्षण लेती आ रही थी उसे मैंने अपने सोफे पर बैठ कर विश्व कप में कनाडा का प्रतिनिधित्व करते देखा।

हालांकि मेरा लालन-पालन चर्च में हुआ है और मैंने एक किशोरी के रूप में अपना जीवन यीशु को सौंप दिया था, पर मैं अभी-भी यह पता लगाने की कोशिश कर रही थी कि यीशु का अनुयायी होने का क्या अर्थ है। मुझे मेरे खेल से मेरी पहचान को अलग करने में मुश्किल हो रही थी। जब आप किसी एक चीज़ पर ध्यान केंद्रित करके इतना समय गुज़ारते हैं – खाया, पीया, अभ्यास किया और फिर यही सब दोहराया – तो उससे ध्यान हटाना कठिन हो जाता है। तिस पर यह कि मैं एक पराये शहर में थी जहां मेरा कोई क़रीबी दोस्त या परिजन नहीं था। ऐसे में मुझे परमेश्वर पर और उनमें मेरे विश्वास पर अधिक निर्भर करना चाहिए था, पर मैंने ऐसा नहीं किया। तो जब छंटाई में मुझे अलग किया गया, तो मेरी तो मानो दुनिया ही उजड़ गई।

पर ईसा मसीह में मेरे विश्वास के कारण, मैं जानती थी कि यह मार्ग का अंत नहीं है; मेरी कहानी इस तरह तो नहीं ही लिखी गई होगी। अब मैं देख पाती हूं कि परमेश्वर के पास मेरे लिए एक अन्य अवसर था। अगले साल मैं 2016 रियो ओलिम्पिक्स में कनाडा का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में चुन ली गई, जहां हमने कांस्य पदक जीता!

मुझे मेरा कौशल एक आशीष के रूप में मिला है और मैं खुद को अधिकतम स्तर तक श्रेष्ठ बनाने के लिए कड़ी मेहनत करती हूं। परमेश्वर की प्रक्रिया पर विश्वास जमाए रख कर, और उन्होंने मुझे जो योग्यता दी उसे विकसित करके, मैंने उन्हें मेरे दिल में और मेरे करियर में काम करते देखा है।

2015 विश्व कप टीम से छंटाई में अलग कर दिए जाने से मैंने जो सबसे बड़ा सबक सीखा वह था विनय। मेरा लालन-पालन एक ऐसे माता-पिता ने किया था जिन्होंने मुझे और मेरे भाई-बहनों को विनीत खिलाड़ी होना सिखाया था। मेरा मानना है कि यीशु के हर अनुयायी की एक बड़ी भूमिका यह है कि वह अधिकतम संभव यीशु जैसा दिखे। जब भी मैं किसी ऐसे हालात में होता हूं जहां मुझे कोई फ़ैसला लेना होता है, तो मैं खुद से पूछता हूं, “मैं मेरे टीम सदस्यों या मेरे कोच के मन में क्या दीर्घकालिक छाप छोड़ना चाहता हूं?”

मैं चाहता हूं कि अन्य लोग मुझे एक ऐसे टीम सदस्य के रूप में याद करें जो दयालु, करुणामय और अच्छा होने के साथ-साथ मैदान में परिश्रमी और अथक भी है। मुझे लगता था कि ये दो चीज़ें एक साथ कभी मौजूद नहीं हो सकती हैं – मैदान में उग्र ढंग से खेलना और मैदान से बाहर दयालु होना – पर मैं जानता हूं कि परमेश्वर ने मुझमें प्रतिस्पर्धा की भावना एक कारण से दी है। आप प्रतिस्पर्धी हुए बिना खेलों में ज़्यादा आगे नहीं जा सकते।

जैसे-जैसे मैं एक खिलाड़ी के रूप में बढ़ूंगा और ज़्यादा से ज़्यादा ट्रॉफियां जीतूंगा, वैसे-वैसे मेरा मंच बढ़ता जाएगा और ज़्यादा से ज़्यादा लोगों का ध्यान उस ओर जाएगा। मैं अधिकतम संभव लोगों को अधिकतम संभव यीशु के दर्शन कराना चाहता हूं।

मेरा पसंदीदा पद्य यशायाह 40:31 है, जो कहता है, “[कि]न्तु वे लोग जो यहोवा के भरोसे हैं फिर से शक्तिशाली बन जाते हैं। जैसे किसी गरुड़ के फिर से पंख उग आते हैं; ये लोग बिना विश्राम चाहे निरंतर दौड़ते रहते हैं, ये लोग बिना थके चलते रहते हैं।” मुझे यह आयत अच्छी लगती है क्योंकि यह मुझे यह ज़रूरी बात याद दिलाती है कि मैं हर चीज़ अपनी खुद की शक्ति से करने के लिए ज़िम्मेदार नहीं हूं। मुझे मेरी शक्ति यीशु में मिल सकती है। यह मुझे यह बात याद दिलाती है कि मैं परमेश्वर की एक संतान हूं – एक ऐसी बात जिसके प्रति उसके अनुयायियों के रूप में हमें और अधिक जागरुक होना चाहिए। जब हमें जवाब नहीं मिलता है या जब हमारे पास पर्याप्त शक्ति नहीं होती है, तो हम परमपिता के पास जा सकते हैं और वे हमें नवीकरण देंगे।

कनाडा